

## रोगाणुरोधी प्रतरोध

### प्रलमिस के लयि:

रोगाणुरोधी प्रतरोध

### मेन्स के लयि:

रोगाणुरोधी प्रतरोध और संबंघति मुद्दे, इससे नपिटने के लयि की गई पहल

## चर्चा में क्यों?

ग्लोबल रसिर्च ऑन एंटीमाइक्रोबयिल रेससिर्सेस (GRAM) की रपिर्ट के अनुसार, वर्ष 2019 में AMR (एंटीमाइक्रोबयिल रेजसिर्सेस) के प्रत्यक्ष परणाम के 1.27 मलियन लोगों की मौत हुई।

- AMR के कारण होने वाली मौतें अब दुनयिा भर में मौत का एक प्रमुख कारण है, जो एचआईवी/एडस या मलेरयिा से ज़यादा हैं।
- AMR से अधकिंश मौतें श्वसन संक्रमण, जैसे नमिोनयिा, और रक्त प्रवाह संक्रमण के कारण हुईं, जसिसे सेप्ससि हो सकता है।
  - MRSA (मेथसिलिनि-रेससिर्सेट स्टैफिलोकोकस ऑरयिस) वशिष रूप से घातक था, जबकि ई. कोलाई और कई अन्य बैक्टीरयिा भी दवा प्रतरोध के उच्च स्तर से जुड़े थे।

## प्रमुख बडि

- परचिय:**
  - रोगाणुरोधी प्रतरोध कसिी भी सूक्ष्मजीव (बैक्टीरयिा, वायरस, कवक, परजीवी, आदी) द्वारा रोगाणुरोधी दवाओं (जैसे- एंटीबायोटेकिस, एंटीफंगल, एंटीवायरल, एंटीमाइरयिल और एंटीहेल्मटिकिस) के खलिाफ प्राप्त प्रतरोध है जसिसे संक्रमण के इलाज के लयि उपयोग कयिा जाता है।
  - नतीजतन, मानक उपचार अप्रभावी हो जाते हैं, संक्रमण बना रहता है और दूसरों में फैल सकता है।
  - रोगाणुरोधी प्रतरोध वकिसति करने वाले सूक्ष्मजीवों को कभी-कभी "सुपरबग" कहा जाता है।
    - वशिष स्वास्थय संगठन (डबल्युएचओ)** ने AMR को वैश्वकि स्वास्थय के लयि शीर्ष दस खतरों में से एक के रूप में पहचाना है।
- AMR के प्रसार का कारण:**
  - दवा में रोगाणुरोधी दवाओं का दुरुपयोग और कृषि में अनुपयुक्त उपयोग।
  - फारमास्यूटेकिल नरिमाण स्थलों के आसपास संदूषण जहाँ अनुपचारति अपशषिट पर्यावरण में बड़ी मात्रा में सक्रयि रोगाणुरोधी छोड़ते हैं।
- भारत में AMR:**
  - भारत में बड़ी आबादी के संयोजन के साथ बढ़ती हुई आय जो कएंटीबायोटेकिल दवाओं की खरीद की सुवधिा प्रदान करती है, संक्रामक रोगों का उच्च बोझ और एंटीबायोटेकिल दवाओं के लयि आसान ओवर-द-काउंटर (Over-the-Counter) पहुँच की सुवधिा प्रदान करती है, प्रतरोधी जीन की पीढ़ी को बढ़ावा देती है।
  - बहु-दवा प्रतरोध नरिधारक, **नई दलिली मेटालो-बीटा-लैक्टामेज़-1 (एनडीएम-1)**, इस कषेत्तर में वशिष स्तर पर तेज़ी से उभरा है।
    - अफ्रीका, यूरोप और एशयिा के अन्य भाग भी दक्षणि एशयिा से उत्पन्न होने वाले बहु-दवा प्रतरोधी टाइफाइड से प्रभावति हुए हैं।
  - भारत में सूक्ष्मजीवों (जीवाणु और वशिणु सहति) के कारण सेप्ससि से प्रत्येक वर्ष 56,000 से अधकि नवजात बच्चों की मौत होती है जो पहली पंक्ति के एंटीबायोटेकिल दवाओं के प्रतरोधी हैं।
  - 10 अस्पतालों में **ICMR (इंडयिन काउंसलि ऑफ मेडकिल रसिर्च)** द्वारा कयि गए एक अध्ययन से पता चलता है कजिब कोवडि-19 के मरीज़ अस्पतालों में दवा प्रतरोधी संक्रमण की चपेट में आते हैं तो मृत्यु दर लगभग 50-60% होती है।
- AMR (भारत में) को संबोधति करने के लयि कयि गए उपाय:**
  - AMR नयित्तरण पर राष्ट्रीय कार्यक्रम:** इसे वर्ष 2012 में शुरू कयिा गया। इस कार्यक्रम के तहत राज्यों के मेडकिल कॉलेजों में प्रयोगशालाओं की स्थापना करके AMR नगिरानी नेटवर्क को मज़बूत कयिा गया है।
  - AMR पर राष्ट्रीय कार्ययोजना:** यह **स्वास्थय दूषटकिणे** पर केंद्रति है और अपरैल 2017 में वभिनिन हतिधारक मंत्रालयों/वभिगों को शामिल करने के उद्देश्य से शुरू कयिा गया था।

- **AMR सर्वलांस एंड रसिर्च नेटवर्क (AMRSN):** इसे वर्ष 2013 में लॉन्च किया गया था ताकि देश में दवा प्रतिरोधी संक्रमणों के सबूत और प्रवृत्तियों तथा पैटर्न का अनुसरण किया जा सके।
- **AMR अनुसंधान और अंतरराष्ट्रीय सहयोग:** **भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR)** ने AMR में चिकित्सा अनुसंधान को मज़बूत करने के लिये अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से नई दवाओं को विकसित करने की पहल की है।
  - वर्ष 2017 में ICMR ने नॉर्वे रसिर्च काउंसिल (RCN) के साथ मलिकर रोगाणुरोधी प्रतिरोध में अनुसंधान के लिये एक संयुक्त आह्वान किया।
  - ICMR ने संघीय शिक्षा और अनुसंधान मंत्रालय (BMBF) जर्मनी के साथ AMR पर शोध हेतु एक संयुक्त भारत-जर्मन पहल को शुरू किया है।
- **एंटीबायोटिक प्रबंधन कार्यक्रम:** ICMR ने अस्पताल वार्डों और आईसीयू में एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग तथा अतिप्रयोग को नियंत्रित करने के लिये भारत में एक पायलट परियोजना पर एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप कार्यक्रम शुरू किया है।
  - DCGI ने अनुपयुक्त पाए गए 40 नश्चिति खुराक संयोजन (Fixed Dose Combinations- FDCs) पर प्रतिबंध लगा दिया है।
- **वैश्विक उपाय:**
  - **वशिव रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह (WAAW):**
    - वर्ष 2015 से सालाना आयोजित किया जाने वाला, WAAW एक वैश्विक अभियान है जिसका उद्देश्य दुनिया भर में रोगाणुरोधी प्रतिरोध के बारे में जागरूकता को बढ़ाना और दवा प्रतिरोधी संक्रमणों के विकास और प्रसार को धीमा करने के लिये आम जनता, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और नीति निर्माताओं के बीच सर्वोत्तम उपायों को प्रोत्साहित करना है।
  - **वैश्विक रोगाणुरोधी प्रतिरोध और उपयोग निगरानी प्रणाली (ग्लास):**
    - वर्ष 2015 में WHO ने ज्ञान अंतराल को समाप्त करने और सभी स्तरों पर रणनीतियों को सूचित करने हेतु ग्लास (GLASS) को लॉन्च किया।
    - ग्लास की कल्पना मनुष्यों में AMR की निगरानी, रोगाणुरोधी दवाओं के उपयोग की निगरानी, खाद्य शृंखला और पर्यावरण में AMR डेटा को प्राप्त करने के लिये की गई है।

**स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस**

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/antimicrobial-resistance-5>

